भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 739

29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की प्रगति

739. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) की वर्तमान स्थिति क्या है तथा इसे पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है;
(ख) शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डाटा की सटीकता और व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;
(ग) क्या एनएफएचएस-6 के किसी प्रारंभिक निष्कर्ष ने लक्षित स्वास्थ्य हस्तक्षेप के क्षेत्रों पर प्रकाश डाला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और
(घ) एनएफएचएस-6 से प्राप्त जानकारियां किस प्रकार देश में भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों को आकार देने/उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में उपयोगी हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय लगभग तीन वर्ष की अवधि के अंतराल पर एक एकीकृत सर्वेक्षण नामत: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) संचालित करता है। एनएफएचएस विभिन्न संकेतकों के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय डेटा और महत्वपूर्ण संकेतकों के लिए जिला स्तरीय डेटा प्रदान करता है। परिणाम अधिकांश संकेतकों के लिए समय के साथ हुई प्रगति का आकलन करने में सहायता करते हैं।

एनएफएचएस-6 के लिए फील्ड वर्क मई, 2023 में शुरू किया गया था। एनएफएचएस-6 डेटा संग्रह को दो चरणों में विभाजित किया गया है। चरण-1 के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए डेटा संग्रह कार्य पहले ही पूरा हो चुका है और चरण-2 में शामिल राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 95% फील्डवर्क पूरा हो चुका है।

सर्वेक्षण के प्रत्येक चरण में एक समान नमूना डिजाइन अपनाया जाता है, जो राष्ट्रीय, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और जिला स्तर पर प्रदर्शक होता है। समग्र नमूना आकार कई बातों के आधार पर तय किया जाता है, जिसमें प्राथमिक बात जिला, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र और राष्ट्रीय स्तर पर संकेतकों के लिए अनुमान प्रदान करने की आवश्यकता है। गैर-नमूना संबंधी त्रुटियों को कम करने और डेटा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एनएफएचएस में कई मानक प्रोटोकॉल और कार्यनीतियां अपनाई जाती हैं, जैसे कि फील्डवर्क की बहुस्तरीय निगरानी और पर्यवेक्षण; डेटा एकत्र करने के लिए कंप्यूटर असिस्टेड पर्सनल इंटरव्यूइंग (सीएपीआई) का उपयोग; सर्वेक्षण कार्यान्वयन में एकरूपता के लिए केंद्रीकृत प्रशिक्षण; मानकीकृत उपकरण और प्रक्रियाएं; अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार नैदानिक, मानवशास्त्रीय और जैव रासायनिक (सीएबी) प्रोटोकॉल का अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार अनुपालन; क्षेत्र में डेटा का अतिरिक्त संपादन; वास्तविक समय संबंधी आंकड़ों के डेटा के आधार पर फील्ड टीमों को फीडबैक, आदि।

एनएफएचएस भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर साक्ष्य भी प्रदान करता है। यह उन नए क्षेत्रों की पहचान करने में भी सहायता करता है जहाँ नीतियों और कार्यक्रमों की आवश्यकता है। एनएफएचएस के परिणाम नीति-निर्माताओं और कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसियों के सामने आने वाली उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए बैंचमार्क निर्धारित करने और भविष्य की स्वास्थ्य संबंधी कार्यनीतियों को प्रभावी ढंग से आकार देने में योगदान करते हैं।

*****